Date - 11/01/22

Date 24/11/2020
Page 1 to 3

Ques. समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र का संबंध स्पष्ट कीजिए।
समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र में समानताएँ तथा विभिन्नताएँ बताइए।

Ans. समाजशास्त्र तथा इतिहास एक दूसरे से घनिष्ठ रूप से संबंधित है। सामाजिक गतिविधियों तथा व्यवहार आर्थिक गतिविधियाँ तथा व्यवहार से अत्यधिक प्रभावित होते हैं। समाजशास्त्र तथा इतिहास के पारस्परिक संबंधों के बारे में मैकाइवर ने लिखा है कि "इस प्रकार की आर्थिक घटनाएँ सदैव सामाजिक आवश्यकता तथा क्रियाओं के समस्त रूपों के निश्चित होती है तथा वे सदैव प्रत्येक प्रकार की सामाजिक आवश्यकताओं व क्रियाओं को पुनर्निर्धारित, सृजित, स्वरूपीकृत तथा परिवर्तित करती है।

वास्तव में आर्थिक संबंधों तथा गतिविधियों का पर्यावरण में सामाजिक संबंध है। थॉमस के अनुसार "वास्तव में अर्थशास्त्र समाजशास्त्र के विस्तृत विज्ञान की एक शाखा है।"

समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र में समानताएँ-

(1) समाजशास्त्रीय अध्ययन तथा अर्थशास्त्री अध्ययन समान रूपी वस्तु के होने वाले है। यही कारण है कि सामाजिक कारकों तथा आर्थिक कारकों को पृथक नहीं

नहीं किया जा सकता है। अनेक विद्वानों ने सामाजिक तथा आर्थिक प्रघटनाओं का मिला जुला अध्ययन किया है। इन विद्वानों में कार्ल मार्क्स, मैक्स वेबर तथा वेबलन आदि प्रमुख है।

(ii) सामाजिक घटनाओं का आर्थिक पहलू भी होता है। उदाहरण के लिए अपराध, निर्धनता, बेकारी, दहेज आदि सामाजिक घटनाओं का सशक्त आर्थिक पहलू है। कार्ल मार्क्स ने तो आर्थिक तत्वों को समाज की एकमात्र व्याख्यात्मक शक्ति स्वीकार किया है।

समाजशास्त्र तथा अर्थशास्त्र में विभिन्नताएँ अथवा अन्तर -

(i) समाजशास्त्र मनुष्य के सामाजिक जीवन के समस्त पहलुओं तथा गतिविधियों का अध्ययन करता है जबकि अर्थशास्त्र मनुष्य के केवल आर्थिक पहलू का अध्ययन करता है।

(ii) अध्ययन की प्रकृति एवं दृष्टिकोण से समाजशास्त्र समूहवादी सामाजिक विज्ञान है, जबकि अर्थशास्त्र की अध्ययन की प्रकृति व्यक्तिवादी है।

3

(iii) अध्ययन की प्रकृति एवं दृष्टिकोण से समाजशास्त्र समूहवादी सामाजिक विज्ञान है; जबकि अर्थशास्त्र के अध्ययन की प्रकृति व्यक्तिवादी है।

(iv) समाजशास्त्रीय विश्लेषण बहुकारकीय होता है, जबकि अर्थशास्त्रीय विश्लेषण में आर्थिक कारकों को ही प्रमुखता या महत्व प्रदान किया जाता है।

(v) समाजशास्त्रीय दृष्टिकोण से मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है जबकि अर्थशास्त्रीय दृष्टिकोण से मनुष्य एक आर्थिक प्राणी है।

Date. 11-05-22

DR Vijant Kumar Mishra
Guest faculty (Part time)
Dept of Sociology
B.A Hons Part 1 Paper 1
Subsidiary Paper 1